सत्यमेव जयते

प्रधान मंत्री
Prime Minister
संदेश

वन्यजीव सप्ताह 2024 के अवसर पर सभी वन्यजीव प्रेमियों को बहुत-बहुत बधाई। इस अवसर पर पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा आयोजित कार्यक्रमों के लिए हार्दिक शुभकामनाएं।

हमारी संस्कृति व संस्कारों में प्रकृति के साथ सामंजस्य और जीवों के प्रति करुणा का भाव निहित है। हमारे प्राचीन ग्रंथों में जीव-जंतुओं के महत्व व उनके संरक्षण के लिए कार्य करने का आह्वान किया गया है। महात्मा गांधी जी ने प्रकृति और अन्य प्राणियों के साथ मनुष्य को अपने सामंजस्यपूर्ण सह-अस्तित्व को सुनिश्चित करने की दिशा में कार्य करने पर बल दिया था। यह हमारी परंपरा रही है कि हम इकॉलॉजी व इकॉनॉमी में टकराव नहीं बल्कि इन दोनों के बीच सह-अस्तित्व को महत्व देते हैं।

इसी मंत्र पर चलने का परिणाम है कि पिछले एक दशक में जहां हमारी अर्थव्यवस्था लगभग दोगुणी हुई है वहीं, देश में बाघों की संख्या दोगुणी से अधिक हो चुकी है। इसके साथ ही वन क्षेत्रों के विस्तार में भी हमने उल्लेखनीय कार्य किये हैं। जैव विविधता को बढ़ावा व पर्यावरण की रक्षा हमारी नीतियों के केन्द्र में रहा है। हमारी इस सफलता में भारत की समृद्ध विरासत और देशवासियों के प्रकृति की रक्षा के प्रति स्वाभाविक आग्रह का बड़ा योगदान है।

यह देखना सुखद है कि वनों के आस-पास रह रहे स्थानीय समुदायों व अनगिनत वन्यजीव प्रेमियों ने देश की समृद्ध जैव विविधता के संरक्षण के लिए सराहनीय कार्य किये हैं। देशवासियों के सामूहिक प्रयासों का ही असर है कि भारत के वन क्षेत्रों में गैंडा, हाथी, तेंदुआ सहित कई ऐसे वन्यजीव जो संकट में थे, अब उनकी संख्या बढ़ रही है।

मुझे विश्वास है कि वन्यजीव सप्ताह के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रमों में वन्यजीव संरक्षण के प्रति लोगों को उनके दायित्वों के बारे में जानकारी और व्यक्तिगत स्तर पर इस दिशा में कार्य करने की प्रेरणा मिलेगी।

वन और वन्यजीवों की रक्षा और सतत् विकास की दिशा में कार्य कर रहे सभी लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं।

(नरेन्द्र मोदी)

नई दिल्ली
आश्विन 13, शक संवत् 1946
05 अक्टूबर, 2024